महासंयोग वट सावित्री, शनि जयंती और शनिश्चरी अमावस्या का बना दुर्लभ महासंयोग, शनि मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़, जिले के आसपास के क्षेत्रों में हुए विविध धार्मिक अनुष्ठान

पति की लंबी उम्र के लिए महिलाओं ने वट वृक्ष पर बांधा रक्षा सूत्र

मंडला, नवभारत। जिले सहित संपूर्ण ग्रामीण अंचलों में वट सावित्री का पावन व्रत श्रद्धा, पारंपरिक हर्षोल्लास और एक अत्यंत दुर्लभ आध्यात्मिक संयोग के साथ मनाया गया। इस वर्ष वट सावित्री व्रत के दिन न केवल ज्येष्ठ अमावस्या रही, बल्कि सूर्यपुत्र भगवान शनिदेव की जयंती भी पूरे श्रद्धाभाव से मनाई गई।

शनिवार के ही दिन अमावस्या और शनि जयंती का यह शनिश्चरी अमावस्या का त्रिवेणी महासंयोग वर्षों बाद बना है, जिसने इस दिन के धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व को कई गुना बढ़ा दिया। इस विशेष मौके पर सुहागिन महिलाओं ने अखंड सौभाग्य के लिए व्रत रखा, तो वहीं श्रद्धालुओं ने न्याय के देवता शनिदेव की विशेष आराधना की।

कच्चे धागे से की परिक्रमा, सुना सत्यवान-सावित्री का प्रसंग

पूजन के दौरान महिलाओं ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लाने वाली पतिव्रता सती सावित्री की कथा सुनी। इसके बाद महिलाओं ने वट वृक्ष के चारों ओर कच्चे धागे को लपेटते हुए परिक्रमा की और अपने परिवार के कल्याण की कामना की। इसके साथ ही शनिश्चरी अमावस्या के पावन अवसर पर महिलाओं और श्रद्धालुओं ने पवित्र पौधों की परिक्रमा कर दान-पुण्य भी किया।

धार्मिक स्थलों और घाटों पर सुबह से उमड़ी भीड़

शनिवार सुबह से ही जिला मुख्यालय के रानी पार्क, खैरमाई मंदिर बिंझिया, शीतला मंदिर रपटा घाट सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्थित वट वृक्षों के समीप महिला उपासकों की भारी भीड़ देखी गई। महिलाओं ने अलग-अलग समूहों में पारंपरिक मांगलिक गीतों के बीच पूजा की थाली सजाकर वट वृक्ष को धूप, दीप, नैवेद्य, रोली और अक्षत अर्पित किए।

शनि जयंती पर गूंजे जयकारे

इस बार शनिवार के दिन ही शनि जयंती और अमावस्या का योग होने से जिले के शनि मंदिरों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। जिले के शनि मंदिरों सहित अन्य देव स्थानों पर सुबह से ही शनिदेव को तेल, काले तिल, नीले फूल और शमी पत्र अर्पित करने के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। ज्योतिषविदों के अनुसार शनिवार, अमावस्या और शनि जयंती का यह अनूठा संयोग शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या से मुक्ति के लिए बेहद फलदायी रहा, जिसके चलते लोगों ने बढ़-चढ़कर दान-पुण्य और अनुष्ठान किए।

त्रिदेव के वास वाले वट वृक्ष की बताई महिमा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वट यानी बरगद के पेड़ में साक्षात त्रिदेव (भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश) का वास होता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन बरगद की पूजा करने से पति के जीवन में आने वाली सभी अदृश्य बाधाएं और अकाल मृत्यु का भय टल जाता है। यह व्रत वैवाहिक जीवन को सुरक्षा प्रदान करता है और संतान प्राप्ति की मनोकामना को भी पूर्ण करने वाला माना गया है।

सिद्धेश्वर धाम में शनिश्चरी अमावस्या पर किया गया महाअनुष्ठान

जिले के सुरंगदेवरी स्थित सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक केंद्र श्री सिद्धेश्वर धाम में शनिश्चरी अमावस्या के पावन अवसर पर भव्य हवन-पूजन और विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्षों बाद बने इस दुर्लभ शनिश्चरी अमावस्या के महासंयोग पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में मंडला जिले सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पुण्य लाभ कमाया।

कष्ट निवारण के लिए हुआ हवन-सिद्धेश्वर धाम के साईं भक्त पंडित ललित नारायण मिश्रा के सानिध्य में सुबह पांच बजे से ही धाम में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया। क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, उन्नति और लोगों को अपनी व्यक्तिगत व शारीरिक परेशानियों से निजात दिलाने के उद्देश्य से एक भव्य यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य यजमानों सहित उपस्थित श्रद्धालुओं ने आहुतियां डालीं। इस दौरान पूरा परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक जयकारों से गुंजायमान हो उठा। सिद्धेश्वर धाम के शिष्यों ने बताया कि श्री सिद्धेश्वर धाम में समय-समय पर इस तरह के जन-कल्याणकारी और आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाता है। इस दरबार की यह बड़ी विशेषता है कि यहाँ आने वाले दुखी और पीड़ित श्रद्धालुओं की तकलीफों का तत्काल निवारण किया जाता है। विशेष अवसरों पर पंडित ललित नारायण मिश्रा द्वारा की जाने वाली सटीक भविष्यवाणियों के माध्यम से लोगों को अपने जीवन के संकटों और झंझटों से उबरने का सही मार्ग भी मिलता है, जिसके चलते इस केंद्र पर लोगों की अगाध आस्था है।

महाआरती के बाद प्रसाद वितरण-बताया गया कि सुबह पांच बजे सिद्धेश्वर धाम के नजदीक विराजित संकटमोचन श्री हनुमान जी महाराज के दरबार में अनुष्ठान शुरू किया गया। अनुष्ठान के समापन के बाद श्री हनुमान जी महाराज की भव्य महाआरती उतारी गई, जिसमें सभी भक्तों ने एक साथ सम्मिलित होकर आरती का लाभ लिया। कार्यक्रम के सफल समापन के बाद उपस्थित जनसमुदाय और मातृशक्ति को विशेष महाप्रसाद वितरित किया गया।

शिविर में 67 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

जांच में मिले 12 कुपोषित बच्चे, परिजनों को दी गई एनआरसी भेजने की समझाइश

बीजाडांडी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीजाडांडी के अंतर्गत आने वाले ग्राम पोंडीमाल में सीबीएमओ डॉ. अजय तोष मरावी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त सौजन्य से मेम-सेम बच्चों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आरबीएसके टीम बीजाडांडी के डॉ. ललित चतुर्वेदी द्वारा क्षेत्र के 67 बच्चों की गहन स्वास्थ्य जांच की गई।

जांच के दौरान शिविर में 12 बच्चे कुपोषण की श्रेणी में चिह्नित किए गए। इन बच्चों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उपस्थित डॉक्टरों और अधिकारियों द्वारा उनके परिजनों को पोषण पुनर्वास केंद्र नारायणगंज या निवास में भर्ती कराने के लिए विस्तारपूर्वक समझाइश दी गई, जिससे बच्चों को सही पोषण और उपचार मिल सके। वहीं शिविर के दौरान ही मध्यम कुपोषित बच्चों का सी-सैम योजना के अंतर्गत आवश्यक उपचार व दवाइयां शुरू की गईं।

अधिकारियों और जमीनी अमले का रहा सराहनीय सहयोग

इस स्वास्थ्य शिविर के सफल संचालन और प्रबंधन में महिला बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी मनीषा तिवारी, सुपरवाइजर मीना तेकाम, स्वास्थ्य विभाग से बीईई एस झरिया, सुपरवाइजर एसआर नंदा, एलएचवी के धुर्वे, एएनएम संगीता मरावी व विनीता रहेंगदले सहित क्षेत्र की समस्त आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान व सराहनीय सहयोग रहा।

20 से ज्यादा बार हो रही अघोषित कटौती, मेंटेनेंस के नाम पर खानापूर्ति

घुघरी में बिजली विभाग की तानाशाही, एक तरफ कनिष्ठ अभियंता के रटे-रटाए बहाने, दूसरी तरफ दो कमरों के मकानों पर थोपे जा रहे भारी जुर्माने

घुघरी, नवभारत। भीषण गर्मी की शुरुआत होते ही घुघरी क्षेत्र में विद्युत विभाग की लचर व्यवस्था और संवेदनहीनता खुलकर सामने आने लगी है। पूरे साल चैन की नींद सोने वाला अमला अब आंधी-तूफान के मौसम में मेंटेनेंस का ढोंग रच रहा है, जिसके कारण क्षेत्र की जनता का जीना मुहाल हो गया है। दिनभर में करीब 20 से अधिक बार हो रही अघोषित बिजली कटौती और ट्रिपिंग ने स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को संकट में डाल दिया है।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि विगत दिनों सुबह 5 बजे से बंद हुई बिजली देर रात करीब 12 बजे बहाल हो सकी। इस अव्यवस्था को लेकर जब विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता (जेई) चेतराम बैगा से संपर्क किया जाता है, तो उनके पास हमेशा एक रटा-रटाया जवाब होता है कि पेड़ की डाली गिरने के कारण बिजली बंद है। अब जनता यह सवाल उठा रही है कि यदि बिजली लाइनों के पास मौजूद पेड़ों की छंटाई का काम समय रहते ठंड या कड़ाके की धूप के दिनों में कर लिया जाता, तो आज यह नौबत क्यों आती? मेंटेनेंस के नाम पर हर साल आने वाला लाखों रुपये का बजट कहाँ ठिकाने लगाया जा रहा है, इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

कार्रवाई के नाम पर गरीबों का उत्पीड़न

एक तरफ जहां विभाग चौबीस घंटे सुचारू बिजली देने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। यदि किसी गरीब के पास महज दो कमरों का मकान है और वह एक कमरे में अपनी जीविका चलाने के लिए कोई छोटी-मोटी दुकान खोल लेता है, तो विभाग उन पर दूसरा व्यावसायिक मीटर लगवाने का दबाव बना रहा है। उपभोक्ताओं की मजबूरी को समझे बिना उन पर मनमाने तरीके से 10 हजार से लेकर 50 हजार रुपये तक के भारी-भरकम जुर्माने थोपे जा रहे हैं, जिसे लेकर लोगों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

क्षेत्रीय जनता अब विद्युत विभाग के आला अधिकारियों और जिला प्रशासन से सीधे सवाल कर रही है कि क्या दो कमरों के छोटे से मकान में एक गरीब व्यक्ति अपनी आजीविका के लिए दो अलग-अलग मीटर लगवाए? ग्रामीणों और स्थानीय व्यापारियों ने दोटूक चेतावनी दी है कि यदि घुघरी क्षेत्र में बिजली की अघोषित कटौती पर तुरंत लगाम नहीं कसी गई और गरीबों का मानसिक व आर्थिक उत्पीड़न बंद नहीं हुआ, तो क्षेत्र की जनता सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

मैकल कप 2026-खिताबी जंग के लिए आज भिड़ेंगी नर्मदा सनराइजर्स और फाइन चैलेंजर

15 दिवसीय भव्य क्रिकेट समर कैंप का भी होगा समापन

मंडला। जिला क्रिकेट संघ एवं मैकल क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से आयोजित 15 दिवसीय क्रिकेट समर कैंप और मैकल कप 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट अपने रोमांचक मोड़ पर पहुँच गया है। टूर्नामेंट का महामुकाबला (फाइनल मैच) आज सुबह 8 बजे से स्थानीय स्टेडियम ग्राउंड मंडला में नर्मदा सनराइजर्स और फाइन चैलेंजर के मध्य खेला जा रहा है।

बीते 1 मई से लगातार जारी इस समर कैंप के बीच 9 मई से मैकल कप टूर्नामेंट का आगाज हुआ था। इस प्रतियोगिता में कुल तीन टीम मैकल मंडला, नर्मदा सनराइजर्स और फाइन चैलेंजर ने हिस्सा लिया। लीग चरण के मुकाबलों में तीनों ही टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो-दो मैच जीते। बेहद कड़े मुकाबले के बाद बेहतर रन रेट के आधार पर नर्मदा सनराइजर्स और फाइन चैलेंजर ने फाइनल टिकट हासिल किया। पूरे कैंप और मैचों के दौरान युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए चयन समिति के सदस्य इम्तियाज अली, पंकज दुबे, अर्जुन भांडे, अक्षय चंद्रोल, फैजान और मुख्य प्रशिक्षक बसंत ठाकुर, सत्यम बर्मन, युवराज यादव, मोहित बर्मन व शैलेंद्र लगातार मैदान पर डटे रहे। इसके साथ ही खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए वरिष्ठ पत्रकार जावेद अली, सिकंदर, प्रशांत पटेल और सत्यप्रकाश दुबे सहित खेल प्रेमी समय-समय पर उपस्थित रहकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आयोजन समिति ने बताया कि आज फाइनल मैच की समाप्ति के बाद शाम 5 बजे स्थानीय महात्मा गांधी मैदान में भव्य कैंप फायर का आयोजन किया जाएगा। इसी कार्यक्रम के दौरान विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की जाएगी, साथ ही टूर्नामेंट और समर कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उभरते हुए खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा।

22 से शुरू होगा अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद का प्रांत स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग

मंडला। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वावधान में मंडला के जलहरी घाट स्थित गुरुकुल वैदिक में 6 दिवसीय प्रांत युवा शौर्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन होने जा रहा है। आगामी 22 मई से 27 मई तक चलने वाले इस शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से सशक्त बनाते हुए आत्मरक्षा और राष्ट्र सेवा के लिए तैयार करना है। जिला महामंत्री प्रवीण यादव ने बताया कि इस प्रांत स्तरीय वर्ग में प्रदेश के लगभग 28 जिलों से 18 से 40 वर्ष के युवा शामिल होंगे। प्रशिक्षण के दौरान नियुध (मार्शल आर्ट), सेल्फ डिफेंस, एयर गन और लाठी संचालन जैसी शौर्य विधाएं सिखाई जाएंगी। जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन कुशवाहा ने बताया कि यह कार्यक्रम डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है।

डेंगू की रोकथाम के लिए जन भागीदारी जरूरी

सीएचसी नारायणगंज में हस्ताक्षर अभियान चलाकर किया जागरूक, स्कूली बच्चों ने ली शपथ

नारायणगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारायणगंज में राष्ट्रीय डेंगू दिवस सीबीएमओ डॉ. एएल कोल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य केन्द्र के समस्त स्टाफ के साथ बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर उपस्थित जनों को डेंगू से बचाव और सतर्कता की अहमियत समझाई गई।

आयोजन के दौरान प्रभारी मलेरिया निरीक्षक एससी जैन द्वारा

उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों, बच्चों और नागरिकों को डेंगू उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध रहने की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही समाज में व्यापक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशेष हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस वर्ष राष्ट्रीय डेंगू दिवस की थीम डेंगू नियंत्रण के लिए जन भागीदारी, जाँच करें, सफाई करें और पात्रों को ढकें रखी गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस थीम पर जोर देते हुए कहा कि आम जनता के सहयोग और जागरूकता से ही डेंगू जैसी बीमारी को पूरी तरह से नियंत्रित किया जा सकता है।

अभियान रामनगर के किलों और बुर्जों के संरक्षण की मांग, आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

ऐतिहासिक धरोहरों को बचाने आप ने खोला मोर्चा

मंडला। जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने और उनके अस्तित्व को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी मंडला ने धरातल पर मोर्चा खोल दिया है। पार्टी द्वारा जिले के प्राचीन स्मारकों के संरक्षण और उन्हें पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा रामनगर स्थित दल बादल महल, बेगम महल तथा मंडला के किला वार्ड में बचे हुए दो ऐतिहासिक बुर्जों का लगातार भ्रमण किया जा रहा है। इस दौरान किलों और बुर्जों की वर्तमान बदहाली के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से प्रशासन व आम जनता को जागरूक किया जा रहा है। पार्टी की मांग है कि इन ऐतिहासिक धरोहरों को तत्काल संरक्षित कर इन्हें बड़े पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल सकें।

आदिवासी क्षेत्र की अनदेखी पर जताया विरोध-भ्रमण के दौरान जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और राजनेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मंडला एक आदिवासी बाहुल्य जिला है, जहां वर्षों से आदिवासी समाज से ही जनप्रतिनिधि चुने जाते रहे हैं, इसके बावजूद जिला आज भी पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ही प्रमुख दलों के नेताओं ने हमेशा आदिवासी समाज की मूल समस्याओं को नजरअंदाज किया है और चुनाव जीतने के बाद नेता जनता के बीच से गायब हो जाते हैं।

इच्छाशक्ति की कमी से बर्बाद हो रहा इतिहास-आप नेताओं ने धरोहरों की वर्तमान स्थिति पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि किलों की यह बदहाली साफ दर्शाती है कि मौजूदा जनप्रतिनिधियों में न तो अपने गौरवशाली इतिहास के प्रति कोई संवेदनशीलता है और न ही जिले के विकास की कोई इच्छाशक्ति।

जनता से समर्थन की अपील,-आम आदमी पार्टी मंडला ने जिला प्रशासन को चेतावनी देते हुए मांग की है कि इन ऐतिहासिक स्थलों के जीर्णोद्धार का काम जल्द से जल्द शुरू किया जाए। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो पार्टी आम जनता को साथ लेकर एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। जिलाध्यक्ष पंकज सोनी ने समस्त आदिवासी समाज और जिलेवासियों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर समर्थन देने की अपील की है।